दिनांकः 30 मार्च, 2026

राजभाषा समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक

संस्थान के निदेशक डॉ. जे. पी. मिश्र एवं डॉ. पी. पी. रोहिल्ला, प्रधान वैज्ञानिक (पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन) एवं राजभाषा समिति के अध्यक्ष की निगरानी में 1 जनवरी से 30 मार्च, 2026 तक की त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन दिनांक 30 मार्च, 2026 को 11.00 बजे कार्यालय के सभागार में किया गया। इस बैठक में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परियोजना सहायकों की उपस्थिति रही। बैठक की शुरूआत में डॉ. बी. एल. जॉगिड़, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) एवं सदस्य, राजभाषा समिति ने निदेशक, राजभाषा अध्यक्ष एवं सभी सहभागियों का स्वागत किया एवं अध्यक्ष से संबोधन का अनुरोध किया।

डॉ. पी. पी. रोहिल्ला, प्रधान वैज्ञानिक (पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन) एवं राजभाषा समिति के अध्यक्ष ने त्रैमासिक अवधि में हुई प्रगति के बारे में अवगत करवाया तथा भविष्य की कार्य योजना के बारे में भी अवगत करवाया।

संस्थान के निदेशक, डॉ. जे. पी. मिश्र, द्वारा संस्थान में हिन्दी को बढ़ावा देने के लिये निम्नलिखित सुझाव दियेः

- संस्थान द्वारा केवीके की कार्य योजना–2026–27 कार्यशालाओं का कार्यवृत्त द्विभाषी जारी किया गया, उन्होंने कहा कि भविष्य में भी कार्यवृत्त इसी तरह जारी किया जाना चाहिए।
- संस्थान 'क' क्षेत्र में स्थिति है इसलिए, अधिकतर कार्य हिन्दी में ही किया जाए, इसके लिए गूगल की मदद ली जा सकती है।
- संस्थान के वैज्ञानिकों एवं परियोजना सहायकों द्वारा प्रत्येक माह कम से कम एक लेख हिन्दी में लिखना चाहिए।
- उन्होंने कहा की यदि हम हिन्दी का एक शब्द रोज अपने शब्दकोश में जोड़े तो एक वर्ष में हम 365 नए अपने शब्दकोश में जोड़ लेंगे जिससे हिन्दी पर पकड़ मजबूत होगी।
- संस्थान में आए नए कम्प्यूटरों में भी यूनिकोड अनिवार्य रूप से डाउनलोड किया जाए एवं उसका उपयोग सुनिश्चित हो।
- वैज्ञानिकों द्वारा भी प्रशासन एवं वित्त से प्रस्ताव/मांग हिन्दी में ही दिये जाने चाहिए।

श्री राजेन्द्र बैन्दा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, राजभाषा समिति के धन्यवाद ज्ञापन के साथ यह बैठक समाप्त हुई।